विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 25-04-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

अखंड-मंडलाकारं व्याप्तम येन चराचरम ।

तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः।।

गुरु वही श्रेष्ठ होता है जिसकी प्रेरणा से किसी का चरित्र बदल जाये।

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।

चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

भावार्थ :

जिसने ज्ञानांजनरुप शलाका से, अज्ञानरुप अंधकार से अंध हुए लोगों की आँखें खोली, उन गुरु को नमस्कार है।